दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर–273001
(नैक प्रत्यायित 'B^{++}' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विष्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांकः 10.11.2022

प्रकाशनार्थ

दिनांक 10.11.2022 गोरखपुर। दिग्विजय नाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी में दूसरे दिन तकनीकी सत्र में डॉ विनोद कुमार गुप्ता, डॉक्टर शोएब हसन, डॉक्टर वेंकटरमन पांडे ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। डॉक्टर तूलिका पांडे एवं डॉक्टर अंकिता ने विद्यार्थियों के साथ अंतर क्रियात्मक रूप में समस्याओं का समाधान किया।

समापन सत्र में आज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला चिकित्सालय गोरखपुर के मनोचिकित्सक अमित शाही ने मानसिक बीमारियों के लक्षणों कारणों एवं उपचार पर चर्चा किया। इसके साथ ही साथ उन्होंने कोरोना महामारी के पूर्व एवं बाद में देश में मानसिक बीमारियों की स्थिति के बारे में बताते हुए कहा कि कोरोना के बाद अवसाद एवं दुश्चिंता विकृति के आंकड़ों में बढ़ोतरी हुई है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में महाविद्यालय की ही पूर्व विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग डॉ शीला सिंह ने व्याख्यान देते हुए कहा कि मानसिक रोग ना हो इसके लिए पहले से ही सुनियोजित रोक था करने में लोगोथेरेपी एवं संज्ञानात्मक व्यवहारा आत्मक चिकित्सा पर विधियों का प्रयोग अत्यंत ही आवश्यक है।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर ओम प्रकाश सिंह ने मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि जानकारी ही बचाव है यदि मानसिक स्वास्थ्य सुविधाओं लक्षणों एवं उपचार के बारे में सही जानकारी मिले तो उससे सभी को लाभ पहुंचेगा।

संगोष्ठी संयोजक डॉ विवेक कुमार शाही ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता को महत्वपूर्ण बताते हुए आगत अतिथियों महाविद्यालय के शिक्षकों कर्मचारियों व विद्यार्थियों का आभार ज्ञापन किया।

इस दौरान मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता के संबंध में एक हस्ताक्षर अभियान भी सफलतापूर्वक चलाया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के 500 विद्यार्थियों ने पोस्टर प्रदर्शनी व्याख्यान एवं हस्ताक्षर अभियान में प्रतिभाग किया।

(डॉ.) शैलेश कुमार सिंह
प्रभारी
सूचना एवं जनसम्पर्क